Rayat Shikshan Sanstha's

Mahatma PhuleMahavidyalay, Pimpri, Pune-17

DEPARTMENT OF HINDI(2021-22)

स्नातक हिंदी (UG) पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ(Program Outcomes-POs)

Name of the Program	Program Outcomes (POs)
Batchelor of Arts	**सफलतापूर्वक बी.ए.(हिंदी) पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत छात्र निम्नलिखित गतिविधियाँ संपन्न कराने में सक्षम होंगे -** **PO1. साहित्य की विविध विधाओं का सामान्य परिचय:** प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया में कविता,गज़ल, कहानी,लघुकथा उपन्यास,नाटक,निबंध,रेखाचित्र,संस्मरण जैसी साहित्य की विविध विधाओं का तात्विक परिचय प्राप्त करके उनके बीच अंतर को समझना छात्रों को संभव होगा। **PO2. प्रतिनिधि साहित्यकारों का परिचय:** हिंदी साहित्य के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल के प्रतिनिधि लेखक -कवियों का साहित्यिक परिचय छात्र प्राप्त कर सकेंगे। **PO 3. सौंदर्य बोध:**छात्र साहित्य के सौंदर्यात्मक एवं कला पक्ष का बोध कराने में सक्षम होंगे PO4 सृजनात्मकता :साहित्य के रसास्वादन एवं साहित्यिक अभिव्यक्ति को समझते हुए छात्रों को सृजनात्मक लेखन के लिए प्रेरित करना संभव होगा। **PO4.विविध साहित्यिक विमर्शों का परिचय:** साहित्यिक रचनाएँ पढ़कर छात्र स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, दलित विमर्श, अल्पसंख्यंक विमर्श की अवधारणा से अवगत होंगे। **PO5.जीवनमूल्य:** गद्य एवं पद्य रचनाओं के तहत छात्र ईमानदारी, मनुष्यता, राष्ट्रप्रेम, सांप्रदायिक सद्भाव, स्त्री -पुरुष समता जैसे जीवनमूल्य आत्मसात करेंगे । **PO 6. काव्यशास्त्रीय बोध :** छात्र भारतीय काव्यशास्त्र का स्वरुप समझते हुए साहित्य की परिभाषाएँ,साहित्य का तात्विक अध्ययन कर पाएँगे। **PO 7. आलोचनात्मक दृष्टि :** छात्र साहित्य का रसास्वादन करते हुए साहित्य की आलोचना कर सकेंगे।

	PO8.हिंदी भाषा के विविध रूपों का ज्ञान: छात्रों द्वारा राष्ट्रभाषा,राजभाषा, ,संपर्क भाषा,विश्वभाषा हिंदी जैसे भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी । **PO9. भाषा के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान:**हिंदी अनुवाद ,हिंदी माध्यम (मीडिया) लेखन,हिंदी पत्र लेखन के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ अनुप्रयोगात्मक पक्ष को भी जाना जा सकेगा। **PO10. भाषा विज्ञान की समझ:** छात्र भाषा विज्ञान का स्वरूप,अध्ययन की दिशाएँ,व्यावहारिक भाषा विज्ञान समझेंगे। **PO11. भाषा शिक्षण :**हिंदी भाषा शिक्षण हेतु श्रवण,पठन,लेखन,भाषण एवं प्रस्तुति कौशल छात्र हाँसिल कर सकेंगे। **PO12. व्यावसायिक क्षमता का विकास:** व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने हेतु माध्यम लेखन, पटकथा लेखन,फिल्मांतरण,अनुवाद, साक्षात्कार कला,भाषा का मोबाइल तंत्र,इंटरनेट, हिंदी सॉफ्टवेयर के परिचय,संवाद कौशल की सहायता से वैश्वीकरण के इस युग में बाजार के लिए आवश्यक कौशल एवं योग्यताओं का भी विकास किया जा सकेगा।

Name of the Program	Program Specific Outcomes (PSOs)
B.A. **(HINDI)**	**सफलतापूर्वक बी.ए.(हिंदी)उपाधि प्राप्त करने के उपरांत छात्र -** PSO1.सृजनात्मकता एवं संभाषण कला प्राप्त कर पाएँगे ।
	PSO2.साहित्य की विविध विधाओं का स्वरूपात्मक ज्ञान प्राप्त कर पाएँगे।
	PSO 3अनुवाद, माध्यम लेखन एवं समाचार लेखनजैसे व्यावसायिक कौशल हाँसिल कर पाएँगे।
	PSO 4. हिंदी साहित्य के इतिहास से अवगत होंगे ।

	PSO 5. साहित्यशास्त्र से परिचित होंगे ।
	PSO 6.भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे ।

स्नातकोत्तर हिंदी (PG) पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ(Program Outcomes)

PO 1.साहित्य और समाज के अंत:संबंध की जानकारी:प्रस्तुत पाठ्यक्रम पूर्ण **करने** के उपरांत छात्रों को साहित्य में प्रतिबिंबित सामाज के चित्रण का एहसास होगा । साथ ही साथ साहित्य में लेखक के समकालीन सामाजिक संदर्भों का आकलन होगा ।

PO 2.प्रबुद्ध नागरिक बनने के लिए जागरूकता: छात्रों द्वारा हिंदी साहित्य के पठन एवं उसमें निहित मूल्यों के तहत प्रबुद्ध नागरिक बनने के लिए जागरूकता हाँसिल की जाएगी।छात्र अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति छात्र सचेत हो जाएँगे।

PO 3.सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना:पठित मध्यकालीन एवं आधुनिक साहित्यिक रचनाओं के आधार पर छात्रों में सामाजिक स्थितियों का यथार्थ एवं उसके सांस्कृतिक संदर्भों की समझ उत्पन्न होगी।

PO 4.भारतीय साहित्य का ज्ञान: हिंदी के अतिरिक्त विविध भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व एवं अभिव्यक्तिगत विकास में सहायक होगा।

PO 5.भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों का विश्लेषण:भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांत समझकर उनका विश्लेषण एवं अनुप्रयोग करने की क्षमता का विकास छात्रों में संभव होगा।

PO 6.अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास:हिंदी भाषा एवं साहित्य से संबंधित विविध विषयों में अनुसंधान कार्य हेतु तैयारी करने की प्रेरणा छात्र ग्रहण कर सकेंगे।

PO 7.संवैधानिक मूल्यबोध :आधुनिक काल की विविध गद्य एवं पद्य साहित्य रचनाओं का भावार्थ समझकर उनमें समाविष्ट

राष्ट्रभक्ति,समता,बंधुता,सामाजिक न्याय जैसे संवैधानिक मूल्य समझना छात्रों को संभव होगा।

PO8 .पर्यावरण चेतना: पाठ्यक्रम में समाविष्ट साहित्यिक रचनाओं से संदेश ग्रहण करते हुए छात्रों द्वारा पर्यावरण संवर्धन और मानव जीवन को स्वस्थ बनाने में उसकी भूमिका के बारे में ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा।

PO9.महिलाओं से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता :विविध साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से सामंती व्यवस्था में महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले शोषण के रूपों के बारे में सोचते हुए नारी के शोषण का विरोध करने की क्षमता उत्पन्न होगी।

PO10.व्यावसायिक कौशल की प्राप्ति:हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम हेतु आवश्यक व्यावसायिक
कौशल प्राप्त करना छात्रों को साध्य होगा।

PO11.हिंदी भाषाविज्ञान की समझ:हिंदी भाषा की प्रकृति को पहचानना और उसका विश्लेषण करने की
क्षमता प्राप्त करते हुए भाषा का नए संदर्भो एवं परिस्थितियों में प्रयोग करने का कौशल प्राप्त करना छात्रों
को संभव होगा।

PO12.अभिव्यक्तिगत कौशल: छात्रों द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य की मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का कौशल प्राप्त किया जा सकेगा।

UG

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी ।

2. हिंदी भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ—साथ अनुप्रयोगात्मक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।

3. व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए माध्यम लेखन, अनुवाद, हिंदी सॉफ्टवेयर के परिचय की सहायता से बाजार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सकेगा।

6. साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना संभव होगा । कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

7. साहित्य के आदिकालीन संदर्भों से लेकर समकालीन रूप तक से परिचित कराना, जिससे विद्यार्थी

साहित्यकार और

अनुवाद में नौकरी के अवसरों का लाभ उठाना।

- पढ़ी सुनी रचनाओं को जानना, समझना, व्याख्या करना, अभिव्यक्त करना।अपने दूसरों के अनुभवों को कहना-सुनना-पढ़ना-लिखना। (मौखिक/लिखित/सांकेतिक रूप में)।

- अपने स्तरानुकूल दृश्य श्रव्य माध्यमों की सामग्री। (जैसे- बाल साहित्य, पत्र-पत्रिकाएँ, टेलीविजन, कम्प्यूटर-इंटरनेट, नाटक, सिनेमा आदि) पर अपनी राय व्यक्त करना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं (जैसे कविता, कहानी, निबंध, एकांकी, संस्मरण, डायरी आदि) की समझ बनाना और उनका आनन्द उठाना।
- हिन्दी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूक होना।
- दैनिक जीवन में तार्किक एवं वैज्ञानिक समझ की ओर बढ़ना।
- पढ़ी-लिखी-सुनी-देखी-समझी गई भाषा का सृजनशील प्रयोग।
- विभिन्न संदर्भो में प्रयुक्त भाषा की बारीकियों, भाषा की लय, तुक को समझना।

एक। मानवीय मूल्यों की प्राप्ति। बी। समाज सेवा की भावना। सी। जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक। डी। आलोचनात्मक स्वभाव ई. रचनात्मक क्षमता।

पढ़ने, लिखने, बोलने और सुनने के कौशल का विकास करना। 2. अनुवाद में नौकरी के अवसरों का लाभ उठाना। 3. साहित्यिक

लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ाना। 4. साहित्य में रुचि पैदा करना। 5. साहित्यिक शोध दृष्टिकोण को प्रभावित करना।

- किसी भी नई रचना/किताब को पढ़ने/समझने की जिज्ञासा व्यक्त करना समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में दी गई खबरों/बातों को जानना-समझना।
- विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अपने रूझानों को अभिव्यक्त करना।
- पढ़ी सुनी रचनाओं को जानना, समझना, व्याख्या करना, अभिव्यक्त करना।अपने दूसरों के अनुभवों को कहना-सुनना-पढ़ना-लिखना। (मौखिक/लिखित/सांकेतिक रूप में)।
- अपने स्तरानुकूल दृश्य श्रव्य माध्यमों की सामग्री। (जैसे- बाल साहित्य, पत्र-पत्रिकाएँ, टेलीविजन, कम्प्यूटर-इंटरनेट, नाटक, सिनेमा आदि) पर अपनी राय व्यक्त करना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं (जैसे कविता, कहानी, निबंध, एकांकी, संस्मरण, डायरी आदि) की समझ बनाना और उनका आनन्द उठाना।
- दैनिक जीवन में औपचारिक-अनौपचारिक अवसरों पर उपयोग की जा रही भाषा की समझ बनाना।
- भाषा साहित्य की विविध सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को समझना और सराहना करना।
- हिन्दी भाषा में अभिव्यक्त बातों की तार्किक समझ बनाना। पाठ विशेष को समझना और उससे जुड़े मुद्दों पर अपनी राय देना।
- विभिन्न संदर्भो में प्रयुक्त भाषा की बारीकियों, भाषा की लय, तुक को समझना।

- भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को पहचानना और विश्लेषण करना। भाषा का नए संदर्भों/परिस्थितियों में प्रयोग करना। अन्य विषयों, जैसे- विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि में प्रयुक्त भाषा की समुचित समझ बनाना व उसका प्रयोग करना।
- हिन्दी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूक होना।
- दैनिक जीवन में तार्किक एवं वैज्ञानिक समझ की ओर बढ़ना।
- पढ़ी-लिखी-सुनी-देखी-समझी गई भाषा का सृजनशील प्रयोग।

- किसी भी नई रचना/किताब को पढ़ने/समझने की जिज्ञासा व्यक्त करना समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में दी गई खबरों/बातों को जानना-समझना।
- विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अपने रूझानों को अभिव्यक्त करना।
- पढ़ी सुनी रचनाओं को जानना, समझना, व्याख्या करना, अभिव्यक्त करना।अपने दूसरों के अनुभवों को कहना-सुनना-पढ़ना-लिखना। (मौखिक/लिखित/सांकेतिक रूप में)।
- अपने स्तरानुकूल दृश्य श्रव्य माध्यमों की सामग्री। (जैसे- बाल साहित्य, पत्र-पत्रिकाएँ, टेलीविजन, कम्प्यूटर-इंटरनेट, नाटक, सिनेमा आदि) पर अपनी राय व्यक्त करना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं (जैसे कविता, कहानी, निबंध, एकांकी, संस्मरण, डायरी आदि) की समझ बनाना और उनका आनन्द उठाना।
- दैनिक जीवन में औपचारिक-अनौपचारिक अवसरों पर उपयोग की जा रही भाषा की समझ बनाना।

- भाषा साहित्य की विविध सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को समझना और सराहना करना।
- हिन्दी भाषा में अभिव्यक्त बातों की तार्किक समझ बनाना। पाठ विशेष को समझना और उससे जुड़े मुद्दों पर अपनी राय देना।
- विभिन्न संदर्भो में प्रयुक्त भाषा की बारीकियों, भाषा की लय, तुक को समझना।
- भाषा की नियमबद्ध प्रकृति को पहचानना और विश्लेषण करना। भाषा का नए संदर्भो/परिस्थितियों में प्रयोग करना। अन्य विषयों, जैसे- विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि में प्रयुक्त भाषा की समुचित समझ बनाना व उसका प्रयोग करना।
- हिन्दी भाषा साहित्य को समझते हुए सामाजिक परिवेश के प्रति जागरूक होना।
- दैनिक जीवन में तार्किक एवं वैज्ञानिक समझ की ओर बढ़ना।
- पढ़ी-लिखी-सुनी-देखी-समझी गई भाषा का सृजनशील प्रयोग।

पीओ: 1 महिलाओं से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता: छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने और सामंती व्यवस्था में महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले शोषण के रूपों के बारे में अपने विचारों को साझा करने का अवसर मिला और व्याख्यान के बाद समूह के माध्यम से समाज में इसके दूरगामी प्रभावों के बारे में भी सीखा। विभाग में आयोजित महिला मुद्दों पर चर्चा सत्र। पीओ: 2 कहानियों और समाज के बीच संबंध: छात्र ने 'हिंदी कहानी की विकास यात्रा' पर आयोजित अतिथि व्याख्यान के माध्यम से एक समाज की सामाजिक सांस्कृतिक स्थिति और लघु कथाओं के बीच संबंध के बारे में ज्ञान प्राप्त किया, जहां हिंदी लघु कथाओं के

विकास का इतिहास विभिन्न कालखंडों में हिंदी कहानियों में दर्ज सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव के संबंध में कहानियों पर चर्चा की गई पीओ:3 गद्य के विभिन्न रूपों की अवधारणा: छात्रों ने गद्य के विभिन्न रूपों जैसे 'रेखाचित्र, निबन्ध, संस्मरण, व्यंग्य, भाषण, नाटक, आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। उपन्यास 'हिन्दी की विविध गद्य विधान' पर आयोजित अतिथि व्याख्यान से। PO:4 मध्यम वर्ग की वास्तविकता का ज्ञान प्रेमचंद, नागार्जुन जैसे लेखकों ने अपने लेखन में मध्यम वर्ग के व्यक्तियों के कार्यों और व्यवहार को चित्रित करके मध्यवर्ग की मानसिकता को उजागर करने का प्रयास किया। छात्रों को प्रेमचंद के लेखन में व्यक्त मध्यम वर्ग की वास्तविकता के बारे में व्याख्यान के बाद समूह चर्चा सत्रों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला।

पीओ: 5 सांस्कृतिक चेतना और यात्रा वृतांत की अवधारणा: छात्रों ने यात्रा वृत्तांत की अवधारणा के बारे में ज्ञान प्राप्त किया और अमृत लाल बेंगर के यात्रा वृत्तांत पर आयोजित व्याख्यानों के माध्यम से यात्रा वृतांत लिखने में सांस्कृतिक चेतना द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को महसूस किया। . पीओ: 6 विश्लेषण की कला 'सांस्कृतिक और ललित निबंध कला': 'ललित और सांस्कृतिक निबंध' ऐसे कला रूप माने जाते हैं जिन्हें समझना मुश्किल है क्योंकि लेखकों ने अपने लेखन में गहरी वास्तविकताओं को व्यक्त करने के लिए प्रतीकों का इस्तेमाल किया है। छात्रों ने 'कुटज' और 'मेरे राम की मुकुट भीग रहा है' जैसे निबंधों पर आयोजित अतिथि व्याख्यान के माध्यम से इन कला रूपों का विश्लेषण करने के लिए ज्ञान प्राप्त किया। पीओ: 7 पर्यावरण चेतना: मातृभाषा हिंदी कक्षा में आयोजित 'पर्यावरण संरक्षण' पर पेपर प्रस्तुति और समूह चर्चा सत्रों के माध्यम से छात्रों ने 'पर्यावरण' की अवधारणा और मानव जीवन को स्वस्थ बनाने में इसकी भूमिका के बारे में ज्ञान प्राप्त

किया। पीओ : 8 वैज्ञानिक चेतना : 'धुमकेतु' के प्रति लोगों का नजरिया समय के साथ कैसे बदला है और किस तरह नए आविष्कार और खोज दुनिया में नई रोशनी लाते हैं, इस पर पेपर प्रेजेंटेशन और ग्रुप डिस्कशन से विद्यार्थियों ने इस हकीकत को जाना। मातृभाषा हिंदी की कक्षा में धूमकेतु' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम पीएसओ: 1 समाज और साहित्य के बीच के संबंध को समझना और रोल प्ले का विश्लेषण करना